चलो दर्शन को मेहंदीपुर चलिए जहाँ बालाजी का दरबार है लिरिक्स

चलो दर्शन को मेहंदीपुर चलिए,
जहाँ बालाजी का दरबार है,
तेरे संकट सभी कट जाएंगे,
वो ही संकट के काटन हार है,
चलों दर्शन को मेहंदीपुर चलिए।bd।

तर्ज – जरा सामने तो आओ।

तुम यहाँ आओ अर्जी लगाओ,
ध्याम लगाओ बाबा का,
ज्योति जगाओ शीश झुकाओ,
कीर्तन गाओ बाबा का,
जिसे बाबा पे होता विश्वास है,
पूरण होती उसी की यहाँ आस है,
अंधेर नहीं कुछ देर है,
सारा झुकता यहाँ संसार है,
चलों दर्शन को मेहंदीपुर चलिए।bd।

प्रेत राज का राज यहाँ पर,
आज फसे कोई काल फसे,
भेरों का दरबार यहाँ पर,
बच ना सके कोई छुप ना सके,
भूत प्रेतों का बालाजी काल है,
ये काटे सभी के जंजाल है,
तू भी आके यहाँ सर टेक ले,
ये तो करते सभी पर उपकार है,
चलों दर्शन को मेहंदीपुर चलिए।bd।

मंगल और शनि को यहाँ पे,
लगता मेला भारी है,
दूर दूर से कष्ट मिटाने,
आते यहाँ नर नारी है,
तीनो लोको में पावन धाम है,
होती आरती सुबह और शाम है,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तेरे संग में 'धामा' और 'रामावतार' है,
चलों दर्शन को मेहंदीपुर चलिए।bd।

चलो दर्शन को मेहंदीपुर चलिए,
जहाँ बालाजी का दरबार है,
तेरे संकट सभी कट जाएंगे,
वो ही संकट के काटन हार है,
चलों दर्शन को मेहंदीपुर चलिए।bd।

गायक – रामावतार जी शर्मा।
प्रेषक – विजय पाल।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com